राही जी हम और आप बहुत देर तक एक राह पर चलते रहे हैं। उस समय भी यह बात थी, उस समय भी रेडियो और टेलीविजन के क्रिटिसिज्म की राय थी लेकिन उस समय आप बिल्कुल नहीं बोले। प्राइम मिनिस्टर के खिलाफ केस का फैसला हुआ था और सोलिडेरिटी रैली हिन्दुस्तान में हो रही थी, बहुगुणा जी भी बसें लाये, उस वक्त बहुगुणा जी साथ थे, चीफ मिनिस्टर थे। बहुगुणा जी भी मुझे जानते हैं, मैं भी उनको जानता हूं, वह मुझ से छिपे नहीं हैं, मैं उनसे छिपा नहीं हूं। जब उत्तर प्रदेश में चुनाव हुआ था तो वहां के चुनाव का संचालन मुझे दिया गया था। अब मैं आपकी बातें सुनता हूं तो मुझे आश्चर्य होता है।

**श्री नवल किशोर शर्मा** : भगत जी, इनका कच्चा चिट्ठा मत खोलिये।

**श्री एच० के० एल० भगत** : राही जी जब आप बहुत जोर से विरोधी दल की बात कह रहे थे तो मुझे गलत न समझिये, मुझे शक हो रहा था कि आप कब तक विरोधी रहेंगे। मैं कहना चाहता था, मजबूरी में कह रहा हूं आप मुझे क्षमा करें, सारी परिस्थितियों को सुनने के बाद सब स्वयं महसूस कर रहे हैं कि एन० टी० रामाराव के मामले में जितनी बात कही गई वह तथ्य ठीक नहीं थे। हमने साफ बात रखी है और सब बातें सामने आ गई हैं।

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : Sirhet, Minister was very sweet in his reply .. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN : You cannot be permitted. Kindly listen to me. I am bound by rules.....

*(Interruptions)***

We abide by the rules. Under some other circumstances you may speak but not now.....

*(Interruptions)***

No further discussion on this. We will take up matters under Rule 377.

---

## MATTERS UNDER RULE 377

### (i) Need to Broadcast Sansad Samiksha in Hindi and English on T.V. through National Programme

**श्री राम विलास पासवान** : (हाजीपुर) सभापति महोदय, मैं अत्यन्त लोक महत्व के विषय की ओर सदन एवं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

संसद् राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद्-समीक्षा हिन्दी एव अंग्रेजी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्वपूर्ण है, लेकिन खेद है कि इतने महत्वपूर्ण विषय को दूरदर्शन के राष्ट्रीय प्रसारण में अभी तक सम्मिलित नहीं किया गया है। फलस्वरूप देश के अन्य भागों की करोड़ों जनता संसद्-समीक्षा दूरदर्शन के माध्यम से सुन नहीं पाते हैं।

अत: सरकार से मांग है कि संसद्-समीक्षा हिन्दी एवं अंग्रेजी के प्रसारण को राष्ट्रीय प्रसारण के माध्यम से प्रसारित किया जाए।

### (ii) Measures to control the pest known as, JAV' affecting Rabi paddy Crops in Orissa

SHRI BRAJMOHAN MOHANTY (Puri) : This year again the Rabi paddy crop in Orissa was extensively damaged on account of being affected by pest, which is being called JAV. Pesticide and used were completely ineffective. Past experience also indicates that the pesti-

**Not recorded.

[Shri Braj Mohan Mohanty]

cide is ineffective to destroy that variety of insect. The Government of India should take immediate steps to investigate and examine the matter why such wide-spread areas were affected and why the pesticide was found as ineffective.

This is a very serious matter which needs immediate attention of the Agriculture Ministry.

**(iii) Need to improve the working of Sir Sunderlal Hospital, Banaras**

**श्री जैनुल बशर** (गाजीपुर) : सभापति महोदय, वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय का सर सुन्दर लाल हास्पिटल पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। वहां पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के अतिरिक्त बिहार तथा मध्य प्रदेश के कुछ भागों के मरीज भी गंभीर रोगो के इलाज के लिए आते हैं। पिछले दो तीन वर्षों से इस अस्पताल में कई बार डाक्टरों तथा कर्मचारियों द्वारा हड़ताल की गई है, जो काफी दिनों तक चलती रही है। पिछले दिनों अभी हाल ही में वहां के जूनियर डाक्टरों ने हड़ताल कर रखी थी। इन हड़तालों के कारण उक्त अस्पताल में चिकित्सा का काम ठप्प होता रहता है। इससे एक तरफ जहां मरीजों को बड़ी असुविधा होती है, वहीं अस्पताल में दाखिल गंभीर रोगों के मरीज उचित इलाज में बाधा पड़ने के कारण या तो मर जाते हैं या उनके स्वस्थ होने में काफी विलम्ब होता है।

अस्पताल के अधिकारियों, डाक्टरों तथा कर्मचारियों को यह शिकायत है कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उनके साथ अक्सर दुर्व्यहार करते रहते हैं, दूसरी तरफ विद्यार्थियों की शिकायत है कि अस्पताल के डाक्टर मरीजों की ठीक से देख-रेख नहीं करते और गंभीर मरीजों को भी नजरंदाज करते हैं।

सर सुन्दरलाल अस्पताल ही उक्त क्षेत्र में ऐसा अस्पताल है, जहां गंभीर मरीजों का इलाज हो सकता है। इसके काम में बाधा पड़ने से बड़ी संख्या में गरीब मरीज दिल्ली, लखनऊ अथवा दूसरे बड़े अस्पतालों में जाने में असमर्थ हो जाते हैं। मेरी सरकार से मांग है कि वह बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सर सुन्दरलाल अस्पताल में बराबर हो रहे व्यवधान के कारणों को जानने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति गठित करें, जो ऐसा उपाय सुझाए, जिससे वहां चिकित्सा का काम बिना बाधा पहुंचाए ठीक तरह से किया जा सके।

वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस कार्य के लिए एक समिति गठित की है, लेकिन उक्त समिति से कोई नतीजा नहीं निकलने वाला है, क्योंकि अक्सर यह देखा गया है कि इनका कोई सही परिणाम नहीं निकलता और मरीजों को बराबर तकलीफ बनी रहती है। ऐसी दशा में सरकार द्वारा हस्तक्षेप किए जाने के अलावा कोई दूसरा रास्ता दिखाई नहीं पड़ता।

**(iv) Non Payment of compensation for agricultural land and other properties acquired for establishing certain projects**

SHRI RAM PYARE PANIKA (Robertsganj) : Due to non-payment of compensation of agricultural land and other properties, the cultivators are suffering a lot in the district of Mirzapur. So many industries and power houses are being established in the district, but it is very unfortunate that in spite of the assurances given by the concerned management and the authorities, the compensation is not being paid in time. The displaced persons are not being rehabilitated and given jobs in the projects. The projects are (1) the Super Thermal Power Station, Shakti Nagar and (2) the Rihand (Central Sector). There are some other projects in this district in which